गर्मी और सूखा

जलवायु में बदलाव मैसाचुसेट्स में बेहद गर्मी वाले दिनों की संख्या को बढ़ा रहा है और अगली शताब्दी में तापमानों के काफी अधिक बढ़ने का अनुमान है। आम तौर पर, अत्यधिक गर्मी का अर्थ 90 डिग्री से अधिक का तापमान होता है—जो तब होती है जब हम गर्मी के कारण होने वाली बीमारियों और मौतों में बहुत ज़्यादा बढ़त देखते हैं।

बढ़ते हुए तापमानों के कारण जलवायु पैटर्न में बड़े बदलाव हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, लंबे समय तक बारिश न होने से कुओं और जलाशयों के ताजे पानी से भरने में रुकावट आ सकती है, वह पानी जिसे हम पीते हैं और जहाँ हम तैरते हैं, उसमें हानिकारक प्रदूषकों और बैक्टीरिया अधिक मात्रा में इकट्ठे हो सकते हैं। पानी में बैक्टीरिया और प्रदूषकों की बढ़त जलीय जीवन को नुकसान पहुंचा सकती है और गैस्ट्रोइन्टेस्टनल (जठरांत्र संबंधी) बीमारी का कारण बन सकती है।

सूखे के कारण बनने वाली धूल भरी, शुष्क स्थितियाँ और जंगलों में लगने वाली आग भी वायु की खराब गुणवत्ता का कारण बन सकती हैं, जो फेफड़ों में जलन पैदा करती है और अस्थमा जैसी सांस लेने संबंधी बीमारियों को और बदतर बनाती है। वायु की खराब गुणवत्ता ब्रोंकाइटिस जैसे श्वसन संक्रमण के जोखिम को भी बढ़ा सकती है।

कौन इसके बढ़े हुए जोखिम पर होता है?

- 65 साल से अधिक उम्र के लोग
- 5 साल से कम उम्र के बच्चे
- गर्भवती महिलाएँ
- कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग

हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं?

- पानी का कुशल तरीके से इस्तेमाल करने वाले उपकरण और नलसाज़ी वाले उपकरण लगाएँ
- देशीय और सूखे के प्रति प्रतिरोधी पौधों वाली लैंडस्केपिंग करवाने पर विचार करें
- अपने जल आपूर्तिकर्ता द्वारा जारी किए गये पानी के उपयोग संबंधी प्रतिबंधों का पालन करें
- नियमित रूप से निजी कुओं में पानी की गुणवत्ता की जांच करें
- पानी को बचाने की पूरी कोशिश करें

और अधिक जानकारी प्राप्त करें:
mass.gov/ClimateAndHealth

Bureau of Climate and Environmental Health
Environmental Toxicology Program
Massachusetts Department of Public Health